INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

HINDI MEDIUM

मध्य प्रदेश पुलिस कांस्टेबल

(मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल - भोपाल)

HANDWRITTEN NOTES

भाग - 1 भारत का सामान्य ज्ञान (GK)

INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

मध्य प्रदेश पुलिस कांस्टेबल

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल – भोपाल

भाग – 1

भारत का सामान्य ज्ञान (GK)

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**मध्य प्रदेश पुलिस कांस्टेबल**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल – भोपाल** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**मध्य प्रदेश पुलिस कांस्टेबल**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें **/***

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - https://wa.link/grn7vj

Online Order करें - https://bit.ly/mp-police-constable

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

क्र. सं	अध्याय	पेज न.
	प्राचीन भारत का इतिहास	
1.	सिन्धु सभ्यता	1
2.	वैदिक सभ्यता	4
3.	बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म	8
4.	महाजनपद काल	13
5.	मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल	16
6.	गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल	20
7.	प्रमुख राजवंश	24
8.	कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश	34
	मध्यकालीन भारत	
1.	अरबों का सिंध पर आक्रमण	36
2.	दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश	38
3.	बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य	48
4.	मुग़ल वंश	50
	आधुनिक भारत का इतिहास	
1.	यूरोपीय कम्पनियों का आगमन	58
2.	मराठा साम्राज्य	63
3.	अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ	66
4.	1857 की क्रांति से पूर्व के जन आन्दोलन	72
5.	भारत में राष्ट्रीय जागरण या आन्दोलन	76
6.	गाँधी युग और असहयोग आंदोलन	79
7.	क्रांतिकारी आंदोलन से आजादी तक	86
	भारतीय कला संस्कृति	
1.	भारतीय चित्रकला	89
2.	भारतीय नृत्य कला	90
3.	मुगलकालीन प्रमुख इमारतें	92

4.	भारत के प्रमुख मंदिर	96
	भारत का भूगोल	
1.	सामान्य परिचय	99
2.	भौतिक विभाजन	101
3.	भारत की नदियाँ एवं झीलें	106
4.	भारत की जलवायु	111
5.	भारत में कृषि	113
6.	मृदा	119
7.	भारत की वनस्पतियाँ	121
8.	भारत के राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य	124
9.	प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	127
10.	उद्योग	129
11.	परिवहन तंत्र	134
12.	जनसंख्या :- वृद्धि, वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता, नगरीय, एवं ग्रामीण जनसंख्या	138
	भारत का संविधान	
1.	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	142
2.	संविधान सभा	145
3.	संविधान की विशेषताएँ	147
4.	भारतीय संविधान के स्त्रोत	150
5.	भारतीय संविधान के भाग	151
6.	संघ एवं इसका राज्य क्षेत्र	153
7.	भारतीय नागरिकता	154
8.	मौलिक अधिकार	155
9.	नीति निदेशक तत्व	158
10.	राष्ट्रीय एवं उपराष्ट्रप्ति	160
11.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	164
12.	भारतीय संसद	170

13.	उच्चतम न्यायालय	176
14.	राज्य कार्यपालिका	178
15.	मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधानमंडल	179
16.	उच्च न्यायालय	185
17.	पंचायती राज	188
18.	निर्वाचन आयोग	193
19.	केंद्रीय सूचना आयोग	194
20.	संघ लोक सेवा आयोग	197
21.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	199
22.	लोकपाल	200
23.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	202
24.	नीति आयोग	203
25.	राष्ट्रीय महिला आयोग	204
26.	संविधान संशोधन	209
	भारतीय अर्थव्यवस्था	
1.	राष्ट्रीय आय और उत्पाद	210
2.	मुद्रा एवं बैंकिंग	211
3.	वस्तु एवं सेवा कर	214
4.	बजट 2023- 24	227
5.	केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाएँ	232

इतिहास

प्राचीन भारत का इतिहास

अध्याय – I

सिन्धु सभ्यता

- यह दक्षिण एशिया की प्रथम नगरीय सभ्यता थी ।
- इस सभ्यता को सबसे पहले हड़प्पा सभ्यता नाम दिया गया।
- सबसे पहले 1921 में हड़प्पा नामक स्थल की खोज दयाराम साहनी द्वारा की गई थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता को अन्य नामों से भी जानतें हैं ।
- सैंधव सभ्यता- जॉन मार्शल के द्वारा कहा गया
- सिन्धु सभ्यता - मार्टियर व्हीलर के द्वारा कहा गया ।
- वृहत्तर सिन्धु सभ्यता – ए. आर-मुगल के द्वारा कहा ।
- सरस्वती सभ्यता भी कहा गया ।
- मेलूहा सभ्यता भी कहा गया ।
- मेलूहा सिन्धु क्षेत्र का प्राचीन नाम था ।
- कांस्यकालीन सभ्यता भी कहा गया ।
- यह सभ्यता मिश्र एवं मेसोपोटामिया सभ्यताओं के समकालीन थी।
- इस सभ्यता का सर्वाधिक फैलाव घग्घर हाकरा नदी के किनारे है। अतः इसे सिन्धु सरस्वती सभ्यता भी कहते हैं ।
- 1902 में लॉर्ड कर्जन ने जॉन मार्शल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का महानिदेशक बनाया।
- जॉन मार्शल को हड़प्पा व मोहनजोदड़ों की खुदाई का प्रभार सौंपा गया।
- 1921 में जॉन मार्शल के निर्देशन पर दयाराम साहनी ने हड़प्पा की खोज की।
- 1922 में राखलदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ों की खोज की।
- हड़प्पा नामक पुरास्थल सिन्धु घाटी सभ्यता से सम्बद्ध है ।
- 20 सितम्बर 1924 को जॉन मार्शल ने द इलस्ट्रेटेड लन्दन न्यूज' के माध्यम से इस सभ्यता की खोज की घोषणा की।
- सिन्धुवासी बैल को शक्ति का प्रतीक मानते थे ।
- सिन्धुवासी तांबा धातु का ज्यादा प्रयोग करते थे ।
- मेहरगढ़ से से भारत में कृषि का प्राचीनतम साक्ष्य मिला है।
- सिन्धुवासी मिठास के लिए शहद का प्रयोग किया करते थे।

सिन्धु सभ्यता की प्रजातियाँ –

- प्रोटो-आस्ट्रेलायड - सबसे पहले आयी
- भूमध्यसागरीय - मोहनजोदड़ों की कुल जनसंख्या में सर्वाधिक
- मंगोलियन – मोहनजोदड़ों से प्राप्त पुजारी की मूर्ति इसी प्रजाति की है ।
- अल्पाइन प्रजाति ।

सिन्धु सभ्यता की तिथि

- कार्बन 14 (C^{14}) - 2500 से 1750 ई.पू.
- ह्विलेर - 2500-1700 ई.पू.
- मार्शल - 3250-2750 ई.पू.

इस सभ्यता का विस्तार

- इस सभ्यता का विस्तार पाकिस्तान और भारत में ही मिलता है।

पाकिस्तान में सिन्धु सभ्यता के स्थल

- डाबर कोट
- सुत्कांगेडोर
- सोत्काकोह
- बालाकोट

सुत्कांगेडोर- इस सभ्यता का सबसे पश्चिमी स्थल है जो दाश्क नदी के किनारे अवस्थित है। इसकी खोज ऑरेल स्टाइन ने की थी।

- सुत्कांगेडोर को हड़प्पा के व्यापार का चौराहा भी कहते हैं ।

भारत में सिन्धु सभ्यता के स्थल,

- **हरियाणा**- राखीगढ़ी, सिसवल कुणाल, बनावली, मितायल, बालू
- **पंजाब** – कोटलानिहंग खान चक्र 86 बाड़ा, संघोल, टेर माजरा
  रोपड़ (रूपनगर) - स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद खोजा गया पहला स्थल
- **कश्मीर** - माण्डा
  चिनाब नदी के किनारे
  सभ्यता का उत्तरी स्थल
- **राजस्थान** - कालीबंगा, बालाथल
  तरखान वाला डेरा
- **उत्तर प्रदेश**- आलमगीरपुर
  सभ्यता का पूर्वी स्थल
  - माण्डी
  - बड़गाँव
  - हलास
  - सनौली
- **गुजरात**
  धौलावीरा, सुरकोटड़ा, देसलपुर रंगपुर, लोथल, रोजदिख्वी, तेलोद, नगवाड़ा, कुन्तासी, शिकारपुर, नागेश्वर, मेघम प्रभासपाटन भोगन्नार

- **महाराष्ट्र**- दैमाबाद
  सभ्यता की दक्षिणतम सीमा
  फैलाव- त्रिभुजाकार
  क्षेत्रफल- 1299600 वर्ग किलों मीटर

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रमुख स्थल एवं विशेषताएँ

- ***हड़प्पा***

रावी नदी के किनारे पर स्थित इस स्थल की खोज दयाराम साहनी ने की थी। खोज - वर्ष 1921 में

उत्खनन-

- *1921-24 व 1924-25 में दयाराम साहनी द्वारा।*
- *1926-27 से 1933-34 तक माधव स्वरूप वत्स द्वारा*
- *1946 में मार्टियर ह्वीलर द्वारा*
- *इसे 'तोरण द्वार का नगर तथा 'अर्द्ध औद्योगिक नगर' कहा जाता है।*
- *पिगट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो को इस सभ्यता की जुड़वा राजधानी कहा है। इन दोनों के बीच की दूरी 640 किलोमीटर है।*
- *1826 में चार्ल्स मैसन ने यहाँ के एक टीले का उल्लेख किया, बाद में उसका नाम ह्वीलर ने MOUND-AB दिया।*
- *हड़प्पा के अन्य टीले का नाम MOUND-F है।*
- *हडप्पा सभ्यता की मुद्राएँ आयताकार थी।*
- *हड़प्पा से प्राप्त कब्रिस्तान को R-37 नाम दिया।*
- *भारत में चाँदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य हड़प्पा सभ्यता से मिलते हैं।*
- *यहाँ से प्राप्त समाधि को HR नाम दिया*
- *हड़प्पा के अवशेषों में दुर्ग, रक्षा प्राचीन निवास गृह चबूतरा, अन्नागार तथा ताम्बे की मानव आकृति महत्त्वपूर्ण हैं।*
- *हडप्पा सभ्यता को ऋग्वेद में हरियुपिया कहा जाता है।*
- *"सिन्धु का बाग" हडप्पा सभ्यता के मोहनजोदड़ो के पुरास्थल को कहा गया है।*
- *हडप्पा वासी 16 के गुणक का प्रयोग किया करते थे।*
- *कोटदीजी की खोज 1935 में घुरये ने की थी। और इसकी नियमित खुदाई 1953 ई. में फजल अहमद ने की थी।*
- *कोटदीजी सिन्धु नदी के किनारे स्थित था।*

मोहनजोदड़ो

- *सिन्धु नदी के तट पर मोहनजोदड़ो की खोज सन् 1922 में राखलदास बनर्जी ने की थी। उत्खनन - राखलदास बनर्जी (1922-27)*
  - *मार्शल*
  - *जे.एच. मैके*
  - *जे.एफ. डेल्स*
- *मोहनजोदड़ो का नगर कच्ची ईटों के चबूतरे पर निर्मित था।*
- *मोहनजोदड़ो सिन्धी भाषा का शब्द, अर्थ- मृतकों का टीला मोहनजोदड़ो को स्तूपों का शहर भी कहा जाता है।*
- *बताया जाता है कि यह शहर बाढ़ के कारण सात बार उजड़ा एवं बसा।*
- *यहाँ से यूनीकॉर्न प्रतीक वाले चाँदी के दो सिक्के मिले हैं।*
- *वस्त्र निर्माण का प्राचीन साक्ष्य यहाँ से मिलता है। कपास के प्रमाण - मेहरगढ़*
- *सुमेरियन नाव वाली मुहर यहाँ से मिली है।*
- *मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत संरचना यहाँ से प्राप्त अन्नागार है। (राजकीय भण्डारागार)*
- *यहाँ से एक 20 खम्भों वाला सभा भवन मिला है। मैके ने इसे 'बाजार' कहा है।*
- *बहुमंजिली इमारतों के साक्ष्य, पुरोहित आवास, पुरोहितों का विद्यालय, पुरोहित राजा की मूर्ति, कुम्भकारों की बस्ती के प्रमाण भी मोहनजोदड़ो से मिले हैं।*
- *मोहनजोदड़ो का शाब्दिक अर्थ मृतकों का टीला है।*
- *मूर्ति पूजा का आरम्भ पूर्व आर्य काल से माना जाता है।*
- *बड़ी संख्या में कुओं की प्राप्ति ।*
- *8 कक्षों वाला विशाल स्नानागार भी यहीं से प्राप्त हुआ है।*
- *पिग्गट ने हडप्पा एवं मोहनजोदड़ो को एक विस्तृत साम्राज्य की जुड़वाँ राजधानी कहा है।*

कालीबंगा-

- *कालीबंगा की खोज अमलानन्द घोष द्वारा गंगानगर में की गयी थी।*
- *सरस्वती नदी (वर्तमान घग्घर के तट पर)*
- *कालीबंगा वर्तमान में हनुमानगढ़ में है।*
- *उत्खनन - बी.बी लाल, बी. के. थापड़ 1953 में*
  कालीबंगा - काले रंग की चूड़ियाँ
- *कालीबंगा - सैंधव सभ्यता की तीसरी राजधानी*
- *कालीबंगा से एक साथ दो फसलों की बुवाई तथा जोलीदार जुताई के साक्ष्य मिले हैं।*
- *कालीबंगा से प्राप्त दुर्ग दो भागों में बंटा हुआ- द्विभागीकरण है।*
- *सड़कों को पक्का बनाने का प्रमाण कालीबंगा से प्राप्त हुआ है।*
- *युग्म शवाधान का साक्ष्य शवों का अन्तिम संस्कार की तीनों विधियों के साक्ष्य यहाँ से प्राप्त हुए हैं।*
- *मृण पट्टिका पर उत्कीर्ण सींगयुक्त देवता की मुहर कालीबंगन से प्राप्त हुई है।*
- *भूकम्प आने के प्राचीनतम प्रमाण यहीं से प्राप्त हुए है।*
- *वृषभ की ताम्रमूर्ति भी कालीबंगा से प्राप्त हुई है।*
- *यहाँ से प्राप्त लेखयुक्त बर्तन से स्पष्ट होता है कि इस सभ्यता की लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती थी।*
- *लेखन कला की प्रणाली विकसित करने वाली प्रथम प्राचीन सभ्यता सुमेरियन सभ्यता थी।*

चन्हूदड़ो *-*

- *खोज एन. जी. मजूमदार*
- *उत्खनन मैके ने किया।*
- *सिन्धु सभ्यता का यह औद्योगिक शहर था।*
- *यहाँ मणिकारी, मुहर बनाने, भार-माप के बटखड़े बनाने का काम होता था।*

अध्याय – 3

बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म,

बौद्ध धर्म

- छठी शताब्दी ई.पू. में वैदिक संस्कृति कर्मकाण्डों व आडम्बरों से ग्रसित हो गई।
- मध्य गंगा घाटी में इसी समय 62 सम्प्रदायों का उदय हुआ। उनमें जैन और बौद्ध सम्प्रदाय प्रमुख थे।

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे।
  सिद्धार्थ – बुद्ध का बचपन का नाम
  सिद्धि प्राप्त करने के लिए जन्म लेने वाला।
- जन्म 563 ई.पू. – कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था। (नेपाल)
- कुल - शाक्य (क्षत्रिय कुल)
- बुद्ध की माता – महामाया थी। उनकी माँ की मृत्यु के बाद पालन पोषण महाप्रजापति गौतमी ने किया था।
- पिता – शुद्धोधन शाक्य गण के मुखिया थे।
- बौद्धों की रामायण के नाम से प्रसिद्ध बुद्धचरित के रचनाकार अश्वघोष हैं।
- 16 वर्ष की आयु में गौतम बुद्ध का विवाह- यशोधरा से हुआ इनके पुत्र का नाम राहुल था।
- असित ब्राह्मण ने सिद्धार्थ क नामकरण किया था।
- कालदेव तथा ब्राह्मण कौंडिन्य ने भविष्यवाणी की थी कि यह बालक चक्रवर्ती राजा अथवा सन्यासी होगा।
- बुद्ध के सारथी का नाम चाण तथा घोड़े का नाम कन्थक था, जो महात्मा बुद्ध को रथ द्वारा महल से कुछ दूर ले जाकर छोड़ आया।
- बुद्ध के सबसे अधिक शिष्य कोसल राज्य में ही हुए तथा यहीं पर उन्होंने अपने धर्म का सबसे अधिक प्रचार किया।
- संघ में प्रविष्ट होने को उपसंपदा कहा जाता है।

महाभिनिष्क्रमण

- 29 वर्ष की आयु में सांसारिक समस्याओं से व्यथित होकर गृहस्थ जीवन का त्याग कर दिया था।
- अनोमा नदी के तट पर सिर मुण्डन
- काषाय वस्त्र धारण किये।
- प्रथम गुरु आलार कलाम थे।
- सांख्य दर्शन के आचार्य
- बाद में उरुवेला (बोधगया) प्रस्थान
- उरुवेला में सिद्धार्थ को कौण्डिन्य, वप्पा, भादिया, महानामा, एवं अस्सामी नामक पांच साधक मिले। इनमें कौण्डिन्य प्रमुख थे ।

ज्ञान प्राप्ति –

- 35 वर्ष की आयु में – बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति हुई। वैशाख पूर्णिमा को पीपल के वृक्ष के नीचे निरंजना नदी (पुनपुन) के तट पर ज्ञान की प्राप्ति हुई।
- इसी दिन से गौतम बुद्ध तथागत कहलाये तथा गौतम बुद्ध नाम भी यहीं से हुआ। वह स्थान बोधगया कहलाया। जिसने सत्य को प्राप्त कर लिया।

धर्मचक्र प्रवर्तन-

- बुद्ध ने प्रथम उपदेश सारनाथ (ऋषिपतनम) में दिया जिसे बौद्ध ग्रन्थों में धर्मचक्रप्रवर्तन कहलाया।
- बोधगया से सारनाथ आये
- प्रथम उपदेश दिया-5 ब्राह्मण सन्यासियों को मागधी भाषा में।
- गौतम बुद्ध का बौद्ध संघ में प्रवेश हुआ।
- सर्वप्रथम अनुयायी – तपस्स जाट शुद्र कालिक
- प्रिय शिष्य - आनन्द
- बौद्ध धर्म की प्रथम महिला भिक्षुणी - गौतमी (बुद्ध की मौसी

अन्तिम उपदेश

- कुशीनारा में सुभच्छ को दिया
- हिरण्यवती नदी तट पर

महापरिनिर्वाण (मृत्यु)

- कुशीनारा में 483 ई.पू.
- 80 वर्ष की आयु में
- बुद्ध के अवशेष 8 भागों में डाले गये जहाँ स्तूप बनाये गये।
- मल्लों ने अत्यन्त सम्मानपूर्वक बुद्ध का अंत्येष्टि संस्कार किया।
- बुद्ध के जन्म एवं मृत्यु की तिथि को चीनी परम्परा के कैंटोन अभिलेख के आधार पर निश्चित किया गया है।

वैशाख पूर्णिमा का महत्व

- वैशाख पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा भी कहते हैं।
- गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति
- महापरिनिर्वाण - वैशाख पूर्णिमा को
  अपवाद - महाभिनिष्क्रमण
- गौतम बुद्ध में 32 महापुरुषों के लक्षण बताये गये है।

बुद्ध के प्रमुख वचन

- जीवन कष्टों से भरा है।
- लिप्सा तृष्णा का ही दूसरा रूप है।

बौद्ध धर्म के त्रिरत्न

- बुद्ध , धम्म , संघ

बुद्ध के चार आर्य सत्य

1. दुःख
2. दुःख समुदाय
3. दुःख निरोध (निवारण)
4. प्रतिपदा

- इन्ही का कालान्तर में विस्तार होकर ये अष्टांगिक मार्ग कहलाये।

अष्टांगिक मार्ग

1. सम्यक दृष्टि
2. सम्यक संकल्प
3. सम्यक वाणी
4. सम्यक कर्मान्त
5. सम्यक आजीव
6. सम्यक व्यायाम
7. सम्यक स्मृति
8. सम्यक समाधि

- समाधि मनुष्य के जीवन का परम लक्ष्य निर्वाण प्राप्ति ।
- जीवन-मरण चक्र से मुक्ति

बुद्ध धर्म

- अनीश्वरवादी
- पुनर्जन्म में विश्वास
- अनात्मवादी धर्म

बौद्ध धर्म के प्रतीक

जन्म - कमल व साण्ड
गृहत्याग - घोड़ा
ज्ञान - पीपल (बोधि वृक्ष)
निर्वाण - पद-चिह्न
मृत्यु - स्तूप

- बौद्ध धर्म का सर्वाधिक विस्तार कोशल राज्य में हुआ था ।
- बौद्ध धर्म के सर्वाधिक उपदेश श्रावस्ती में दिये गये।
- बौद्ध धर्म के प्रचार केन्द्र – मगध

बौद्ध संगीतियां

1.483 ई.पू. संरक्षक - शासनकाल में अजातशत्रु के राजगृह में रचना रची गयी ।
सुत्तपिटक (बुद्ध के उपदेश) विनयपिटक (संघ के नियम)
अध्यक्ष – महाकस्सप
2.383 ई.पू. संरक्षक - कालाशोक
वैशाली में - भिक्षुओं में मतभेद
अध्यक्ष – सर्वकामिनी
3.250 । 251 ई.पू. संरक्षक शासनकाल में - अशोक
पाटलिपुत्र में रचना रची गयी
अभिधम्मपिटक (बुद्ध के दार्शनिक विचार)
अध्यक्ष – मोग्गलिपुत्त तिस्स
4. प्रथम शताब्दी संरक्षक - कनिष्क
कुण्डलवन में (कश्मीर) हीनयान व महायान (सम्प्रदाय में बंटा)

अध्यक्ष वसुमित्र अश्वघोष था । चतुर्थ बौद्ध संगीति के बाद बौद्ध धर्म दो भागों में बंट गया था हीनयान व महायान । (कश्मीर) (सम्प्रदाय में बंटा)

- विहार - बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थान
- चैत्य - पूजास्थल

बौद्ध धर्म को अपनाने वाले प्रमुख शासक

- बिम्बिसार - बुद्ध का मित्र
- प्रसेनजीत
- उदायिन
- अशोक – महेन्द्र (पुत्र), संघमित्रा (पुत्री)
- बौद्ध धर्म का प्रचार करने श्रीलंका गये।

नालन्दा विश्वविद्यालय

- गुप्त शासक कुमारगुप्त ने बौद्ध धर्म की शिक्षा के लिए स्थापित किया।
- बौद्ध धर्म का अध्ययन करने हेतु आये ।
- फाह्यान, ह्वेनसांग (चीनी यात्री) ।
- अजातशत्रु प्रारम्भ में जैनधर्म का अनुयायी था बाद में बौद्ध धर्म का अनुयायी बना ।

बौद्ध धर्म की प्रमुख महिला अनुयायी

- गौतमी
- नंदा
- मल्लिका
- खेमा
- विशाखा
- यशोधरा
- आम्रपाली
- सुप्रवासा

बौद्ध धर्म के प्रतीक महात्मा बुद्ध के प्रमुख आठ स्थान

- लुम्बिनी
- बोधगया
- सारनाथ
- कुशीनगर
- वैशाली
- राजगृह
- श्रावस्ती
- संकाश्य

अध्याय – 7

प्रमुख राजवंश

- **चालुक्य वंश**
- चालुक्य अभिलेखो में इन्हें हारीति पुत्र एवं मानत्यगोत्रीय कहा जाता है, यह वंश मूलतः अयोध्या का था।
- चालुक्य शासक अयोध्या को अपने पूर्वजों का मूल निवास मानते थे।
- चालुक्य वंश चार शाखाओं में विभाजित था।
- बादामी या वातापी के चालुक्य वंश वेंगी के चालुक्य वंश कल्याणी के पश्चिम के चालुक्य वंश तथा अन्हिलवाड़ा [लाट] के चालुक्य सोलंकी।

वातापी या बादामी के चालुक्य

- **चालुक्यों की मूल शाखा वातापी या बादामी का राजवंश था।** गुप्त काल के बाद दक्षिण भारत में लगभग 550 ई. से 750 ई. तक केवल दक्षिण भारत की राजनीति को भी वातापी के चालुक्यों ने प्रभावित किया।
- बादामी के चालुक्य वंश के इतिहास के प्रमाणिक साक्ष्य अभिलेख हैं। इनमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण पुलकेशिन द्वितीय का एहोल अभिलेख है।
- इनकी भाषा संस्कृत एवं लिपि दक्षिण ब्राह्मी है। इस लेख की रचना रविकीर्ति ने की थी। यद्यपि मुख्य रूप से इनमें पुलकेशिन द्वितीय की उपलब्धियों का वर्णन हुआ है।

पुलकेशिन प्रथम

- चालुक्य वंश का संस्थापक वैसे तो जयसिंह था परन्तु वातापी या बादामी के आस-पास के क्षेत्रों को मिलाकर एक छोटे राज्य की स्थापना कर **चालुक्य वंश की वास्तविक नींव डालने वाला पुलकेशिन प्रथम था।**
- उसने वातापी या बादामी को अपनी राजधानी बनाया था। अश्वमेघ यज्ञ भी किया था।
- उसके पुत्र कीर्तिवर्मन प्रथम ने वनवासी के कदम्बों कोकण के मौर्यों एवं बेलारी तथा कर्नुलों को युद्ध में पराजित किया।
- कीर्तिवर्मन का भाई मंगलेश अगला शासक बना तथा इसने कलचुरियों तथा कदम्बों को पराजित किया तथा उसका उत्तराधिकारी उसका भतीजा पुलकेशिन द्वितीय बना।

पुलकेशिन द्वितीय

यह पुलकेशिन वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली एवं योग्य शासक था। इससे संबंधित जानकारी एहोल अभिलेख से मिलती है।

- वह अपने चाचा मंगलेश (कीर्तिवर्मन का भाई) के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद 608 ई. में सिंहासन पर बैठने के लिए आया था।
- कीर्तिवर्मन का पुत्र पुलकेशिन द्वितीय चालुक्य वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक था। पुलकेशिन द्वितीय ने सत्याश्रय श्री पृथ्वी वल्लभ महाराज एवं दक्षिणापथेश्वर की उपाधि धारण की थी।
- वह हर्षवर्द्धन (पुष्यभूति राजवंश का शासक) का समकालीन था।
- हमें पुलकेशिन द्वितीय के बारे में जानकारी उसके दरबारी **कवि रविकीर्ति द्वारा प्राकृत भाषा में रचित ऐहोल नाम** के एक प्रशस्ति से पता चलता है। पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्द्धन को नर्मदा के तट पर हराया था और लट, मालव और गुर्जरों की स्वैच्छिक हार को स्वीकार किया था।
- शुरू में वह पल्लवों के खिलाफ विजय हासिल किया था, लेकिन पल्लव शासक नरसिंहवर्मन ने न केवल उसे पराजित किया बल्कि, बादामी पर कब्जा भी कर लिया नरसिंहवर्मन ने वातापिकोंडा की उपाधि ग्रहण की।
- पुलकेशिन द्वितीय की प्रसिद्धि फारस तक चर्चित थी जिनके साथ उसने अपने दूतों का आदान-प्रदान भी किया।
- ह्वेनसांग (चीनी यात्री) ने पुलकेशिन द्वितीय के दरबार का दौरा किया था।

ऐहोले शिलालेख :

- यह शिलालेख पुलकेशिन द्वितीय के पूर्वजों के बारे में संबंधित है। इस प्रशस्ति में पिता से लेकर पुत्र तक की चार पीढ़ियों के बारे में उल्लेख करता है।
- इस प्रशस्ति में रविकीर्ति बताता है कि, पुलकेशिन द्वितीय ने अपने अभियान का नेतृत्व किया पश्चिम और पूर्व दोनों के किनारे-किनारे किया था।
- एहोल अभिलेख से ज्ञात होता है की पुलकेशिन द्वितीय ने लाट जाट मालव तथा गुर्जर प्रदेशों को भी जीत लिया।
- लाट राज्य दक्षिण गुजरात में स्थित था। इसकी राजधानी नौसरी बड़ौदा गुजरात में थी।
- वहां अधिकार करने के बाद पुलकेशिन ने अपने वशं के ही किसी व्यक्ति को लाट प्रदेश का शासक नियुक्त किया।
- गुर्जर संभवतः भड़ौच के गुर्जरों से संबंधित थे। जिनका राज्य की तथा माही नदियों के बीच स्थित था। इस विजय के बाद पुलकेशिन द्वितीय के साम्राज्य की उत्तरी सीमा माही नदी तक जा पहुंची।
- जिस समय पुलकेशिन द्वितीय दक्षिणापथ में अपनी शक्ति का विस्तार कर रहा था। उसी समय उत्तरी भारत में हर्षवर्द्धन अनेको राज्य विजीत कर अपना साम्राज्य विस्तृत कर रहा था।
- हर्षवर्द्धन नर्मदा के दक्षिण राज्यों पर अपना अधिपत्य स्थापित करना चाहता था। फलस्वरूप हर्ष और पुलकेशिन द्वितीय के बीच नर्मदा नदी के तट पर युद्ध हुआ। जिसमें हर्ष की पराजय हुई। और इस विजय के उपलक्ष्य में पुलकेशिन द्वितीय ने परमेश्वर की उपाधि धारण की।
- आन्ध्र के दक्षिण में पल्लवों का शक्तिशाली राज्य था। पल्लव वंश का शासन इस समय महेन्द्रवर्मन प्रथम के हाथों में था

अध्याय – 5

भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन

- भारत में राष्ट्रीय जागरण का काल 19 वीं शताब्दी का मध्य तथा उतरार्द्ध माना जाता है।
- भारत में राष्ट्रीय जागरण के बारे में श्रीमति एनीबेसेंट ने कहा था की इस विराट आंदोलन के पीछे शताब्दियों का इतिहास है।
- भारतीय इतिहास में 18 वीं शताब्दी को 'अंधकार का युग' कहा जाता है।
- राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का पिता तथा नये युग का अग्रदूत कहा जाता है।
- राजा राममोहन राय को पुनर्जागरण का 'सुबह का तारा 'कहा जाता है।
- ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन राय द्वारा 20 अगस्त 1828 ई. को कलकत्ता में की गयी। जिसका उद्देश्य तत्कालीन हिन्दू समाज में व्याप्त बुराइयों जैसे सती प्रथा, बहु विवाह, वेश्यागमन जातिवाद अस्पृश्यता आदि को समाप्त करना था।
- ब्रह्म समाज आंदोलन का मुख्य सिद्धांत ईश्वर एक है।
- राजा राममोहन राय को भारतीय पुनर्जागरण का मसीहा माना जाता है।
- राजा राममोहन राय की प्रमुख कृतियों में 'प्रीसेप्ट्स ऑफ जीसस' प्रमुख है। इन्होंने संवाद कौमुदी (बांग्ला भाषा) तथा मिरातुल अखबार (फारसी भाषा) का भी सम्पादन किया।
- राजा राममोहन राय ने 1814 ई. में आत्मीय सभा की स्थापना की 1815 ई. में इन्होंने वेदान्त कॉलेज के स्थापना की।
- इन्होंने सती प्रथा के विरुद्ध आंदोलन चलाया तथा पाश्चात्य शिक्षा के प्रति अपना समर्थन दिया।
- कालांतर में देवेन्द्रनाथ टैगोर 1818 ई. 1905 ई. ने ब्रह्म समाज को आगे बढाया इनके द्वारा ही केशवचन्द्र सेन को ब्रह्म समाज का आचार्य नियुक्त किया गया।
- लॉर्ड मैकाले ने अंग्रेजी शिक्षा पद्धति का सूत्रपात किया था।
- 1829 ई. में विलियम बैंटिक ने भारत में सती प्रथा पर रोक लगा दी इस कार्य में सहयोग देने में राजा राममोहन राय की प्रमुख भमिका थी।

- **आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती थे।**
- इन्होंने 1875 ई. में बम्बई में आर्य समाज की स्थापना की थी। आर्य समाज की स्थापना का मुख्य उद्देश्य मुसलमानों को पुनःहिन्दू धर्म ग्रहण करने की प्रेरणा देना था
- स्वामी दयानंद सरस्वती को बचपन में मूलशंकर के नाम से जाना जाता था। इनके गुरु स्वामी विरजानन्द थे।
- राममोहन राय को राजा की उपाधि मुगल बादशाह अकबर द्वितीय ने प्रदान की थी।
- राजा राममोहन राय की समाधी ब्रिस्टल (इंग्लैण्ड) में स्थित है।
- इन्होंने अपने उपदेशों में मूर्ति पूजा, बहुदेववाद, अवतारवाद, पशुबलि, श्राद्ध, जंत्र, तंत्र, मंत्र, झूठे कर्मकांड, आदि की आलोचना की तथा पुनः 'वेदों की ओर लोटो का नारा दिया था।
- इनके विचारों का संकलन इनकी कृति 'सत्यार्थ प्रकाश' में मिलता है जिसकी रचना इन्होंने हिंदी में की थी।
- सामाजिक सुधार के क्षेत्र में इन्होंने छुआछुत एवं जन्म के आधार पर जाति प्रथा की आलोचना की।
- भारत का समाज सुधारक मार्टिन लूथर किंग दयानंद सरस्वती को कहा जाता है।
- स्वामी दयानन्द सरस्वती ने सर्वप्रथम स्वराज शब्द का प्रयोग किया और हिंदी को राष्ट्र भाषा माना।
- बंगाली नेता राधाकांत देव ने सती प्रथा का समर्थन किया था।
- स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा चलाये गए शुद्धि आंदोलन के अंतर्गत उन लोगों को पुनः हिन्दू धर्म में आने का मौका मिला जिन्होंने किसी कारणवश कोई और धर्म स्वीकार कर लिया था।
- समाज सुधारक महादेव गोविन्द रानाडे को महाराष्ट्र का सुकरात कहा जाता है।
- स्वामी दयानंद सरस्वती के अनुयायियों में लाला हंसराज ने 1886 ई. में लाहौर में 'दयानंद एंग्लो वैदिक कॉलेज की स्थापना की तथा स्वामी श्रद्धानन्द ने 1901 ई. में हरिहर के निकट कांगड़ी में गुरुकुल की स्थापना की।

भारतीय संस्था थियोसिफिकल सोसायटी

- भारतीय संस्था थियोसिफिकल सोसायटी की स्थापना 1875 ई. में मैडम ब्लावत्सकी एवं कर्नल आल्कोट ने न्यूयॉर्क में की थी।
- जनवरी 1882 ई. में वे भारत आये तथा मद्रास में अड्यार के निकट मुख्यालय स्थापित किया।
- भारत में इस आंदोलन की गतिविधियों को फेलाने का श्रेय श्रीमती एनीबेसेंट को दिया जाता है।
- 1898 ई. में उन्होंने बनारस में सेंट्रल हिन्दू कॉलेज की स्थापना की जो आगे चलकर 1916 ई. में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय बन गया। आयरलेंड की होमरूल लीग की तरह बेसेंट ने भारत में होमरूल लीग की स्थापना की।
- स्वामी विवेकनद की मुख्य शिष्या सिस्टर निवेदिता थी।
- वास्तव में भारत की एकता इसकी विभिन्नताओं में ही निहित है। हिन्दू धर्म एवं संस्कृति ने सम्पूर्ण देश को एक सूत्र में सदा से बांध रखा है। यह विचार बीसेंट स्मिथ का है।

- 1893 ई. में शिकागो सम्मलेन में स्वामी विवेकान्द ने भाग लिया था।
- रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी वेवेकानंद ने 1897 ई. में की थी।
- रामकृष्ण आंदोलन के मुख्य प्रेरक स्वामी रामकृष्ण परमहंस थे रामकृष्ण की शिक्षाओं के प्रचार का श्रेय उनके योग्य शिष्य स्वामी विवेकानंद (नरेन्द्र नाथ दत्त) को दिया जाता है।
- 1893 ई. में 14 वर्ष के बाद योगी राज अरविन्द घोष 1872 -1950 ई. की भारत भूमि पर वापसी हुई। (1893 ई. में उन्होंने एक लेखमाला न्यू लैम्प फॉर ओल्ड ") प्रकाशित किया।
- राजनैतिक सुधारों को लेकर विरोध करने वाले पहले भारतीय सुरेन्द्रनाथ बनर्जी थे।
- प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 ई. में केशव चन्द्र सेन के सहयोग से डॉ. आत्माराम पांडुरंग ने बम्बई में की थी।
- भारत सेवक समाज सर्वेन्ट्स ऑफ़ इण्डिया सोसायटी की स्थापना 1905 ई. में गोपाल कृष्ण गोखले ने बम्बई में की थी।
- व्यक्तिगत सत्याग्रह को दिल्ली चलो सत्याग्रह के नाम से जाना जाता है। व्यक्तिगत सत्याग्रह की शुरुआत पवनार से 17 अक्टूबर 1940 से आरम्भ हुई थी।
- सत्यशोधक समाज की स्थापना ज्योतिबा फुले द्वारा की गयी थी।
- सम्पति के निष्कासन के सिद्धांत के प्रतिपादक दादा भाई नौरोजी थे।
- भारतीयों द्वारा अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित प्रथम समाचार पत्र हिन्दू पैट्रियॉट था।
- बहिष्कृत भारत पत्रिका का संबंध डॉ. भीमराव अम्बेडकर से था।
- महात्मा गाँधी द्वारा स्थापित हरिजन सेवक संघ के संस्थापक अध्यक्ष घनश्याम दास बिडला थे।
- भारत में यंग बंगाल आंदोलन प्रारम्भ करने का श्रेय हेनरी विवियन डिरोजियो को है एंग्लो -इंडियन डिरोजियो कलकत्ता में हिन्दू कॉलेज के अध्यापक थे।
- स्वदेशवाहिनी नामक पत्रिका के सम्पादक के. रामकृष्ण पिल्लै थे।
- डिरोजियो ने ईस्ट इण्डिया नामक दैनिक पत्र का भी सम्पादन किया
- हेनरी विवियन डिरोजियो को आदुनिक भारत का प्रथम राष्ट्रवादी कवि माना गया है।
- महात्मा गाँधी ने 1924 ई. में बेलगाँव कांग्रेस अधिवेशन के अध्यक्षता की थी।
- इंडियन नेशन अखबार का प्रकाशन पटना से होता था।
- साधारण ब्रह्म समाज की स्थापना 1878 ई. में कलकत्ता में शिवनाथ शास्त्री, आनंद मोहन बोस ने की थी।
- हाली पद्धति बँधुआ मजदूरी से संबंधित है।
- विधवा पुनर्विवाह को कानूनी रूप से वैध करवाने में ईश्वरचन्द्र विद्यासागर की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।
- बहुजन समाज के संस्थापक मुकुंद राव पाटिल थे।
- पंडित रामाबाई सरस्वती द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए आर्य महिला समाज की स्थापना की गयी।
- भारत में मुस्लिम सुधार आंदोलन का प्रवर्तक सर सैयद अहमद खान को माना जाता है।
- ब्राह्मणों की सर्वोच्चता को चुनौती देने के लिए आत्म सम्मान आंदोलन वी. रामास्वामी नायकर के द्वारा चलाया गया।
- गुलामगिरी पुस्तक के लेखक ज्योतिबा फुले थे।
- धर्म सभा की स्थापना 1829 ई. में कलकत्ता में राधाकांत देव ने की थी।
- द्वारकानाथ टैगोर द्वारा वर्ष 1838 में स्थापित भारत की प्रथम राजनैतिक संस्था लैंडहोल्डर्स सोसायटी थी।
- वन्देमातरम समाचार पत्र 1909 ई. में प्रकाशित किया गया इसके संस्थापक लाला हरदयाल, श्यामजी कृष्ण वर्मा थे।
- महात्मा गाँधी केवल एक बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए थे।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन 27 दिसम्बर 1885 को मुम्बई में हुआ था।
- वहाबी आंदोलन को भारत में सबसे ज्यादा प्रचारित करने का श्रेय सैयद अहमद बरेलवी एवं इस्लाम हाजी मौलवी मोहम्मद को दिया जाता है।

<u>उदारवादी आंदोलन</u>

- भारतीय राष्ट्रीयता का जनक उदारवादियों को कहा जाता है।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जनक ए.ओ.ह्युम को कहा जाता है।
- इंडियन नेशनल यूनियन ने दिसम्बर 1885 में एक कॉन्फ्रेंस को बुलाने का निर्णय लिया था, जिसमें इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना की गयी।
- एनी बेसेंट ने कॉमनवील साप्ताहिक पत्रिका के माध्यम से स्वशासन की माँग की।
- मोहम्मद अली जिन्ना को हिन्दू-मुस्लिम एकता का दूत सरोजनी नायडू ने कहा था।
- कांग्रेस की स्थापना के संदर्भ में सेफ्टी वॉल्व का सिद्धांत लाला लाजपत राय के द्वारा दिया गया था।
- अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर 1885 को हुई थी इसके प्रथम अध्यक्ष व्योमेशचन्द्र बनर्जी थे।
- भारत के तेजस्वी पितामह के नाम से दादाभाई नौरोजी जाने जाते हैं।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दूसरे अधिवेशन की अध्यक्षता दादाभाई नौरोजी ने की थी।

अध्याय – 3

भारत की नदियाँ एवं झीलें

- **नदियाँ**

भारतीय अपवाह तंत्र

अरब सागरीय अपवाह तंत्र

बंगाल की खाड़ी का अपवाह तंत्र

अपवाह तंत्र किसी नदी एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र को कहते हैं।

- कुल अपवाह क्षेत्र का लगभग 77 प्रतिशत भाग, जिसमें गंगा, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा आदि नदियाँ शामिल हैं। बंगाल की खाड़ी में जल विसर्जित करती हैं,
- जबकि 23% भाग जिसमें सिन्धु, नर्मदा, तापी, माही व पेरियार नदियाँ शामिल हैं। अपना जल अरब सागर में गिराती हैं।

हिमालयी अपवाह तंत्र

- उत्तरी भारत की नदियाँ अपरदन से प्राप्त मिट्टी को बहाकर ले जाती हैं तथा मैदानी भागों में जल प्रवाह की गति मंद पड़ने पर मैदानों और समुद्रों में जमा कर देती हैं।
- इन्ही नदियों द्वारा लायी गई मिट्टी से उत्तर भारत के विशाल मैदान का निर्माण हुआ है।
- इंड़ो ब्रह्म नदी:- भू-वैज्ञानिक मानते है, कि मायोसीन कल्प में लगभग 2.4 करोड़ से 50 लाखों वर्ष पहले एक विशाल नदी थी। जिसे शिवालिक या इंड़ो - ब्रह्म नदी कहा गया हैं।
- इंडो ब्रह्म नदी के तीन मुख्य अपवाह तंत्र -
- 1.पश्चिम में सिन्धु और इसकी पाँच सहायक नदियाँ
- 2.मध्य में गंगा और हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ
- 3.पूर्व में ब्रह्मपुत्र का भाग व हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ

भारतीय नदी प्रणाली

1. सिन्धु नदी तंत्र

- सिन्धु जल संधि 1960 में हुई थी।
- तीन पूर्वी नदियों - व्यास, रावी, सतलज का नियंत्रण भारत के पास है। तथा 3 पश्चिमी नदियों सिन्धु, झेलम, चेनाब का नियंत्रण पाकिस्तान को दिया गया है।

1. व्यास, रावी, सतलुज → 80% पानी भारत, 20% पानी पाकिस्तान
2. सिन्धु, झेलम, चिनाब → 80% पानी पाकिस्तान, 20% पानी भारत

सिन्धु नदी तंत्र

- सिन्धु नदी का क्षेत्रफल 11 लाख, 65 हजार वर्ग km हैं।
- भारत में सिन्धु नदी का क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग किमी हैं।
- सिन्धु नदी की कुल लम्बाई 2,880 किमी. है।
- भारत में सिन्धु नदी की लम्बाई केवल 1,114 km हैं।
- भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे पश्चिमी नदी है।
- सिन्धु नदी का उद्गम तिब्बती क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत श्रेणी (मानसरोवर झील) में बोखर-चू के निकट एक चेमयांगडुंग ग्लेशियर (हिमनद) से होता है, जो 4,164 मीटर उँचाई पर स्थित हैं। तिब्बत में इसे शेर मुख कहते हैं।

- **सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम सिन्धु नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।**
- अन्य सहायक नदियाँ – जास्कर, ग्यांग, शिगार, गिलगिट, श्योक, हुंजा, कुर्रम, नुबरा, गास्टिंग व द्रास, गोमल।
- सिन्धु नदी, कराची (पाकिस्तान) के निकट अरब सागर में जाकर गिरती है।
- यह नदी अटक (पंजाब प्रांत, पाकिस्तान) के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती हैं। जहाँ दाहिने तट पर काबुल नदी इसमें मिलती है।
- यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई मिठनकोट के निकट पंचनद का जल प्राप्त करती हैं।
- पंचनद नाम पंजाब की पाँच मुख्य नदियों सतलज, व्यास, रावी, चिनाब, झेलम को संयुक्त रूप से दिया गया है।
- सिन्धु और ब्रह्मपुत्र नदियों का उद्गम स्थल तिब्बत का पठार हैं।
- तिब्बत के पठार से निकलने वाली अन्य नदियाँ - यांग्त्सी - क्यांग, जियांग, ह्वांगहो (पीली नदी, पीत), इरावदी, मेकांग एवं सतलज।
- जास्कर नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर की सीमा पर सरचू के उच्च अक्षांशीय पठारी भाग से होता है।
- यह नदी जास्कर श्रेणी में गहरे गॉर्ज का निर्माण करती है। तथा कठोर चट्टानी भागो से होकर बहती हैं।
- यह पहले उत्तर फिर पूर्व की ओर बहते हुए नेमू के निकट सिन्धु नदी से मिल जाती हैं।

सतलज नदी -

- यह एक पूर्ववर्ती नदी है।
- यह तिब्बत में 4,555 मीटर की ऊँचाई पर मानसरोवर झील के निकट राक्षस ताल झील से निकलती है।
- वहाँ इसे लाँगचेन खंबाब के नाम से जाना जाता है।
- सतलज नदी का संगम स्थल कपूरथला के द.- प. सिरे पर व्यास नदी में तथा मिठानकोट के निकट सिन्धु नदी में है।
- यह उत्तर - पश्चिम दिशा में बहते हुए इंड़ो - तिब्बत सीमा के समीप शिपकी ला दर्रे के पास भारत में प्रवेश करने से

पहले लगभग 400 km तक सिन्धु नदी के समान्तर बहती है।

- सतलज नदी की सहायक नदियाँ हैं -सिप्ती, वास्पा, व्यास
- यह हिमालय की श्रेणियों (महान हिमालय और जास्कर श्रेणी) को काटकर महाखड्ड का निर्माण करती हैं।
- सतलुज, सिन्धु नदी की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी हैं। यह भाखड़ा नांगल परियोजना के नहर तंत्र का पोषण करती है तथा आगे जाकर व्यास नदी में मिल जाती हैं।

व्यास नदी (विपाशा नदी) :-

- यह सिन्धु की एक अन्य महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है।
- यह रोहतांग दर्रे के निकट व्यास कुंड़ से निकलती है।
- यह नदी कुल्लू घाटी से गुजरती है।
- यह धौलाधर श्रेणी में काती और लारगी में महाखण्ड का निर्माण करती हैं।
- यह हरिके बेराज के पास सतलज नदी में जाकर मिल जाती है।
- पार्वती, सैन्ज, तीर्थन, ऊहल इसकी सहायक नदियाँ हैं।

रावी नदी (परूष्णी नदी या इरावती नदी)

- यह नदी सिन्धु की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है।
- जो हिमालय की कुल्लु की पहाड़ियों में स्थित रोहतांग दर्रे के पश्चिम से निकलती है तथा चंबा घाटी से होकर बहती है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले व सराय सिन्धु के निकट चिनाब नदी में मिलने से पहले यह नदी पीरपंजाल के दक्षिण-पूर्वी भाग व धौलाधर के बीच से प्रवाहित होती है।
- अंत में ये झांग जिले की सीमा पर चिनाब नदी में मिल जाती है।

चिनाब नदी (अस्किनी)

- यह सिन्धु की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- यह लाहुल में बरालाचाला दर्र के विपरीत दिशा में चंद्रा और भाग नामक दो सरिताओं के मिलने से बनती है।
- ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलांग के निकट तांड़ी में आपस में मिलती हैं।
- इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले भारत में इस नदी का बहाव क्षेत्र 1180 किमी है।
- यह त्रिमू के निकट झेलम नदी में जाकर मिलती है।

झेलम नदी (वितस्ता)

- यह सिन्धु की सहायक नदी है।
- जो कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीरपंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग के निकट शेषनाग झरने से निकलती है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वुलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखण्ड से गुजरती है।
- पाकिस्तान में झंग के निकट यह चिनाब नदी से मिलती है।

गंगा नदी तंत्र

गंगा नदी

- गंगा नदी का उद्गम् उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से हुआ है। जहां यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किलोमीटर (उत्तराखंड) में 110 किलोमीटर उत्तरप्रदेश में 1450 किलोमीटर तथा बिहार में 445 km व पश्चिम बंगाल में 520 किलोमीटर) है।
- उत्तराखंड में देवप्रयाग में भागीरथी, अलकनंदा नदी से मिलती है तथा इसके बाद यह गंगा कहलाती है।
- अलकनंदा नदी का स्त्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतोपथ हिमनद से हुआ है।
- अलकनंदा, धौली गंगा और विष्णु गंगा धाराओं से मिलकर बनती है, जो जोशीमठ या विष्णु प्रयाग में मिलती है।
- भागीरथी से देव प्रयाग में मिलने से पहले अलकनंदा से कई सहायक नदियाँ आकर मिलती है।

स्थान	नदी संगम
विष्णु प्रयाग	धौलीगंगा + अलकनंदा
नंद प्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
कर्ण प्रयाग	पिंडार + अलकनंदा
रुद्रप्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
देवप्रयाग	भागीरथी + अलकनंदा

- गंगा नदी हरिद्वार (उत्तराखंड) के बाद मैदानी क्षेत्रो में प्रवेश करती है तथा अपने दक्षिण पूर्व में बहते हुए इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में पहुँचती है जहाँ इससे यमुना नदी (गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी) आकर मिलती है।
- इसके बाद यह बिहार व पश्चिम बंगाल मे प्रवेश करती है। पश्चिम बंगाल में यह दो वितरिकाओं (धाराओं) में विभाजित हो जाती है। एक धारा हुगली नदी कहलाती है जो कलकत्ता में चली जाती है तथा मुख्य धारा पश्चिम बंगाल बहती हुए बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है।
- बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद इससे ब्रह्मपुत्र नदी आकर मिलती है इसके बाद यह पद्मा के नाम से जानी जाने लगती है।
- अन्त में यह बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती है।

- **गंगा की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं** -यमुना (सबसे लम्बी सहायक नदी), रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा, सोन (दाहिनी तरफ से) इत्यादि।

लूनी नदी -लूनी नदी अजमेर के दक्षिण-पश्चिम में नाग पहाड़ी (अरावली श्रेणी) से निकलती है तथा कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी राजस्थान का सबसे बड़ा नदी तंत्र है।

- **साबरमती नदी** -यह उदयपुर जिले (राजस्थान) के पास अरावली श्रेणी से निकलती है तथा खम्भात की खाड़ी मे अपना जल गिराती है। गांधीनगर व अहमदाबाद इस नदी के तट पर स्थित है।

- **माही नदी** - इसका उद्गम मध्य प्रदेश में विंध्य श्रेणी के पश्चिम से हुआ है। यह तीन राज्यों में मध्यप्रदेश, राजस्थान व गुजरात में प्रवाहित होते हुए अपना जल खम्भात की खाड़ी में गिराती है। यह कर्क रेखा को दो बार काटती है।
- **भादर नदी** -गुजरात के राजकोट जिले से निकलती है तथा अपना जल अरब सागर में गिराती है।
- **वैतरणा नदी** -यह नासिक जिले (महाराष्ट्र) की त्रिंबक की पहाडियों से निकलती है तथा अपना जल अरब सागर में गिराती है।

- **माण्डवी तथा जुआरी** -यह गोवा की दो प्रमुख नदियाँ हैं जो अपना जल अरब सागर में गिराती है।

- **कालिंदी या काली नदी** -यह कर्नाटक के बेलगाँव जिले से निकलती है तथा अपना जल करवाड़ की खाड़ी में गिराती है।

- **शरावती नदी** –यह कर्नाटक के शिमोगा जिले से निकलती है। तथा भारत का सबसे ऊँचा गरसोप्पा (जोग) जल प्रपात इसी नदी पर है ।

- **पेरियार नदी** – यह केरल की सबसे लम्बी नदी है। यह अन्नामलाई की पहाड़ियों से निकलती है तथा वैम्बानाद के उत्तर में अपना जल अरब सागर में गिराती है।
- **भरतपूझा नदी** - यह भी अन्नामलाई की पहाड़ियों से निकलती है। यह केरल की सबसे बड़ी (जलग्रहण क्षेत्र) नदी है इसे पोंनानी ' के नाम से भी जानते हैं।

भारत की प्रमुख झीलें

झील	सम्बन्धित राज्य
वेम्बंनाड	केरल
अष्टमुड़ी	केरल
पेरियार	केरल
हुसैन सागर	तेलंगाना
राकसताल	उतराखंड
देवताल	उतराखंड
रूपकुंड	उतराखंड
सातताल	उतराखंड
सांभर	राजस्थान
उदयसागर	राजस्थान
जयसमंद	राजस्थान
डिंडवाना	राजस्थान
फतेहसागर	राजस्थान
राजसमंद	राजस्थान
चिल्का	ओडिशा
वुलर	जम्मू-कश्मीर
मानस	जम्मू-कश्मीर
नागिन	जम्मू-कश्मीर
शेषनाग	जम्मू-कश्मीर
डल	जम्मू-कश्मीर
लोनार	महाराष्ट्र
सूरजकुंड	हरियाणा
पुलीकट	तमिलनाडु व आंध्रप्रदेश
हमीरसर	गुजरात
फुल्हर	उत्तर प्रदेश
कोलेरू	आंध्रप्रदेश
लोकटक	मणिपुर

- भारत की सबसे ऊँची हिमानी निर्मित झील देवताल झील है । यह गढ़वाल हिमालय में स्थित है ।
- उड़ीसा में चिल्का झील एक बहुत बड़ी लैगून (पश्चजल) झील है ।
- लोनार झील (महाराष्ट्र) ज्वालामुखी क्रिया द्वारा निर्मित है।
- इंदिरा सागर झील भारत में निर्मित सबसे बड़ी झील है । यह ओंकारेश्वर , महेश्वर तथा सरदार सरोवर बाँध परियोजना (गुजरात मध्य प्रदेश) का जलाशय है ।
- मीठे पानी की अधिकांश झीले हिमालय क्षेत्र में है । ये मुख्यतः हिमानी द्वारा बनी है ।
- राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र में सांभर एक नमकीन या खारे पानी की झील है ।

प्रमुख जल प्रपात

जल प्रपात	नदी ।राज्य
गरसोप्पा या जोग जल प्रपात	शरावती नदी
धुआंधार जल प्रपात	नर्मदा नदी। मध्यप्रदेश
शिव समुन्द्रम जल प्रपात	कावेरी नदी
गोकक जल प्रपात	कृष्णा नदी के सहायक नदी गोकक नदी
हुण्डरू जल प्रपात	स्वर्ण रेखा नदी
कपिल धारा जल प्रपात	नर्मदा नदी ।मध्यप्रदेश
दूध सागर जल प्रपात	माण्डवी नदी ।गोवा

अध्याय – 12
भारतीय संसद (विधायिका)
(art. 79-123)

संघीय विधानमंडल (संसद)

- भारतीय संविधान के अनु. 79 के अनुसार संसद के तीन अंग होते हैं - राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा
- भारतीय संसद की संप्रभुता न्यायिक समीक्षा से प्रतिबंधित है।
- संसद में स्थगन प्रस्ताव (adjournment motion) लाने का उद्देश्य सार्वजनकि महत्व के अति आवश्यक मुद्दों पर बहस करना है।

संसद से सम्बंधित अनुच्छेद	
अनु.	सम्बंधित विषय – वस्तु
79	संसद का गठन
80	राज्य सभा की सरंचना
81	लोक सभा की सरंचना
82	प्रत्येक जनगणना के पश्चात पुनः समायोजन
83	संसद के सदनों की अवधि
84	संसद की सदस्यता के लिए अर्हता
85	संसद के सत्र सत्रावसान एवं विघटन
86	राष्ट्रपति का सदनों को सम्बोधित तथा उनको संदेश देने का अधिकार
87	राष्ट्रपति का विशेष सम्बोधन अभिभासण
88	सदनों के सम्बंध में मंत्रियों और महान्यायवादी के अधिकार
89	राज्य सभा का सभापति तथा उपसभापति
90	राज्य सभा के उपसभापति के पद की रिक्ति, त्याग तथा पद से हटाया जाना।
91	सभापति के कर्तव्यों के निर्वहन अथवा सभापति के रूप में कार्य करने की उपसभापति अथवा अन्य व्यक्ति की शक्ति
92	जब राज्य सभा के सभापति अथवा उपसभापति को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन न होना
93	लोक सभा का अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष
94	लोक सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष पद की रिक्ति, त्यागपत्र तथा पद से हटाया जाना
95	लोक सभा उपाध्यक्ष अथवा किसी अन्य व्यक्ति का लोक सभा अध्यक्ष के कर्तव्यों के निर्वहन की शक्ति
96	जब लोक सभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन न होना।
97	सभापति व उपसभापति तथा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के वेतन-भत्ते
98	संसद का सचिवालय
99	सदस्यों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
100	दोनों सदनों में मतदान, रिक्तयों के होते हुए भी सदनों की कार्य करने की शक्ति तथा गणपूर्ति
101	स्थानों का रिक्त होना
102	संसद की सदस्यता के लिए निरर्हताएं
103	सदस्यों की अयोग्यता से सम्बंधित प्रश्नों पर निर्णय
104	अनु. 99 के अंतर्गत शपथ लेने या प्रतिज्ञान करने से पहले अर्हत न होते अथवा निरर्हत किए जाने पर भी सदन में बैठने तथा मतदान करने पर दंड।

लोकसभा (art-81)

- लोकसभा को निम्न सदन। प्रथम सदन। अस्थाई सदन। लोकप्रिय सदन कहते हैं।
- प्रथम लोकसभा का गठन 17 अप्रैल, 1952 को हुआ था।
- अनच्छेद 81 तथा 331 लोकसभा के गठन से संबंधित है।
- लोकसभा में अधिकतम 552 सदस्य हो सकते हैं। इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि केंद्र शासित प्रदेशों से 20 सदस्य चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
- लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 545 से इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि 13 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।
- 91वाँ संविधान संशोधन अधिनियम 2001 में प्रावधान किया गया है कि लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 सन् 2026 तक बनी रहेगी।
- लोकसभा का कार्यकाल अपनी प्रथम बैठक से अगले 5 वर्ष तक होती है।

- ***लोकसभा का सदस्य बनने के लिए व्यक्ति में निम्नलिखित योग्यताएं होनी आवश्यक हैं:***
  - *वह भारत का नागरिक हो ।*
  - *उसकी आयु 25 वर्ष से कम न हो ।*
  - *वह संघ सरकार तथा राज्य सरकार के अधीन किसी लाभ के पद पर न हो (सरकारी नौकरी में न हो)*
  - *वह पागल । दिवालिया न हो ।*

लोकसभा *- अध्यक्ष का कार्यकाल पाँच वर्ष होता है,*

- *किन्तु अपने पद से वह स्वेच्छा से त्यागपत्र दे सकता है अथवा अविश्वास प्रस्ताव द्वारा उसे हटाया जा सकता है।*
- *61वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1989 के द्वारा यह व्यवस्था कर दी गई कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाला नागरिक लोकसभा या राज्य विधानसभा के सदस्यों को चुनने के लिए वयस्क माना जाएगा।*
- *लोकसभा विघटन की स्थिति में 6 मास से अधिक नहीं रह सकती।*
- *लोकसभा का गठन अपने प्रथम अधिवेशन की तिथि से पाँच वर्ष के लिए होता है।*
- *लेकिन प्रधानमंत्री की सलाह पर लोकसभा का विघटन राष्ट्रपति द्वारा 5 वर्ष के पहले भी किया जा सकता है।*
- *क्योंकि लोकसभा की दो बैठकों के बीच का समयान्तराल 6 मास से अधिक नहीं होना चाहिए।*
- *लोकसभा की अवधि एक बार में 1 वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जा सकती है।*
- *आपात उद्घोषणा की समाप्ति के बाद 6 माह के अन्दर लोकसभा का सामान्य चुनाव कराकर उसका गठन आवश्यक है।*
- *लोकसभा का अधिवेशन 1 वर्ष में कम से कम 2 बार होना चाहिए*
- *अनुच्छेद 85 के तहत राष्ट्रपति को समय-समय पर संसद के प्रत्येक सदन, राज्यसभा एवं लोकसभा को आहुत करने, उनका सत्रावसान करने तथा लोकसभा का विघटन करने का अधिकार प्राप्त है।*
- *लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा का प्रमुख पदाधिकारी होता है और लोकसभा की सभी कार्यवाहियों का संचालन करता है -*
- *लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन लोकसभा के सदस्यों के द्वारा किया जाता है।*
- *लोकसभा अध्यक्ष के निर्वाचन की तिथि राष्ट्रपति निश्चित करता है।*
- *लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा के सामान्य सदस्य के रूप में शपथ लेता है।*
- *लोकसभा अध्यक्ष को कार्यकारी अध्यक्ष शपथ ग्रहण कराता है।*
- *आगामी लोकसभा चुनाव के गठन के बाद उसके प्रथम अधिवेशन की प्रथम बैठक तक अपने पद पर बना रहता है। लोकसभाध्यक्ष उपाध्यक्ष को अपना त्यागपत्र दे देता है।*

राज्यों में लोकसभा सदस्यों की संख्या

1. उत्तर प्रदेश	80
2. महाराष्ट्र	48
3. पश्चिम बंगाल	42
4. बिहार	40
5. तमिलनाडु	39
6. मध्य प्रदेश	29
7. कर्नाटक	28
8. गुजरात	26
9. राजस्थान	25
10. आंध्र प्रदेश	25
11. ओडिशा	21
12.केरल	20
13. तेलंगाना	17
14. असम	14
15. झारखण्ड	14
16. पंजाब	13
17. छत्तीसगढ़	11
18. हरियाणा	10
19. जम्मू । कश्मीर	6
20. उत्तराखण्ड	5
21. हिमाचल प्रदेश	4
22.आंध्रप्रदेश	2
23. गोवा	2
24. मणिपुर	2
25. मेघालय	2
26. त्रिपुरा	2
27. मिजोरम	1
28. नागालैंड	1
29. सिक्किम	1

केन्द्रशासित प्रदेश लोकसभा सदस्यों की संख्या

1. दिल्ली	7
2. अंडमान निकोबार	1
3. चण्डीगढ़	1
4. दादरा । नागर हवेली	1

- संसद का मुख्य कार्य कानून का निर्माण करना है। संसद की कार्यवाही को 3 भागों में बाटा जा सकता है।

(1) प्रश्नकाल – (11-12 बजे)
(2) शून्यकाल (12-1 बजे)
(3) मुख्य कार्यवाही (2-6 बजे)

- संसद की कार्यवाही का प्रथम घंटा प्रश्नकाल(question hour) कहलाता है।
- संसदीय व्यवस्था में शून्य काल (zero hour) भारत की देन है।
- लोकसभा में शून्य काल की अवधि अधिक से अधिक एक घंटे की होती है।
- यदि कोई विधेयक लोकसभा द्वारा पारित है, परन्तु राज्यसभा में विचारधीन है, तथा राज्यसभा भंग हो गयी हों, तो विधेयक व्यपगत (समाप्त) हो जाता है।
- यदि बिल राज्य सभा में विचारधीन हो, राज्यसभा द्वारा पारित होकर लोकसभा में विचारधीन हो तथा लोकसभा भंग हो जाती है। तो विधेयक व्यपगत नहीं होता।
- यदि विधेयक राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के लिए भेज दिया गया है, तथा इन दोनों सदनों द्वारा पारित किया जा चुका है, तथा लोकसभा भंग हो जाती है। तो विधेयक व्यपगत नहीं होता।
- यदि विधेयक दोनों सदनों में मतभेद हों, परन्तु संयुक्त बैठक बुला ली गयी हो तो विधेयक व्यपगत नहीं होता, भले ही लोकसभा भंग हो जाए।

संसद में प्रस्तुत होने वाले प्रमुख प्रस्ताव

- अनुच्छेद 75 (iii) के अनुसार विश्वास-मत का जन्म हुआ। इस अनुच्छेद के अनुसार मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होते हैं।
- विश्वास प्रस्ताव प्रधानमंत्री के द्वारा लोकसभा में रखा जाता है।
- अब तक 3 प्रधानमंत्री विश्वास मत हासिल न करने के आधार पर अपदस्थ हो चुके हैं।
  - V-P Singh (1990)
  - HD देवगौड़ा (1997)
  - अटल बिहारी बाजपेयी (1997)
- सर्वप्रथम चरण सिंह (1979) को विश्वास मत साबित करने को कहा गया।
- इसके पूर्व राष्ट्रपति को अभिभाषण प्रस्ताव को ही विश्वास मत मान लिया जाता है।
- अविश्वास प्रस्ताव - "भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75 (iii) के आधार पर इसका जन्म हुआ। यह विपक्ष (विरोधी पार्टी) द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत किया जाता है।
- विपक्ष, इसके लिए कुल सदस्यों का कम से कम 10% प्रस्ताव रखते हैं।
- अविश्वास प्रस्ताव 19 दिन के नोटिस पर ही प्रस्तुत किया जा सकता है।
- 1963 में पहला अविश्वास प्रस्ताव JB-कृपलानी द्वारा रखा गया था।
- अब तक कोई भी अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा द्वारा पारित नहीं किया जा सका।
- विश्वास व अविश्वास प्रस्ताव के मध्य कम से कम 6 माह का अन्तर जरूर होना चाहिए।

निन्दा- प्रस्ताव भी अनुच्छेद 75 (iii) से प्रेरित है, यह विपक्ष द्वारा लोकसभा में रखा जाता है, किसी एक मंत्री के निंदा प्रस्ताव पारित होने पर सम्पूर्ण मंत्री परिषद् को त्यागपत्र देना पड़ता है।

ध्यान- आकर्षण प्रस्ताव लोकसभा में प्रस्तुत किया जाता है, इसके तहत किसी विशेष मुद्दे पर सदन का ध्यान आकर्षित किया जाता है।

कामरोको प्रस्ताव प्रस्ताव के मध्य चल रही कार्यवाही को रोककर किसी अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की जाती है, यह दोनों सदनों में लाया जा सकता है।

- ***कटौती प्रस्ताव(cut motion)*** को समापन प्रस्ताव (closure motion) के नाम से भी जाना जाता है।
- विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव दोनों सदनों में लाया जा सकता है।
- संसद में दो प्रकार की समितियाँ अस्तित्व में होती हैं।
  1. तदर्थ समिति
  2. स्थायी समिति
- स्थायी समितियाँ वर्ष भर अस्तित्व में रहती हैं। जिनमें दो समितियाँ सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण हैं।
- लोक लेखा समिति
- अनुमान समित

लोक लेखा समिति इसमें कुल 22 सदस्य होते हैं जिसमें 15 लोकसभा से, 7 राज्यसभा से लिए जाते हैं।

- इसका कार्यकाल 1 वर्ष का होता है (30 अप्रैल से 31 मई)
- इस समिति का मुख्य कार्य C.A.G. 'रिपोर्ट के आधार पर सार्वजनिक लेखकों की जाँच करना होता है। समिति का कोरम 113 सदस्यों से पूरा होता है।
- (अनुमान समिति । आकलन । प्राकलन समिति
- यह लोकसभा की समिति है।

विविध

महत्वपूर्ण दिवस	
राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2022	
जनवरी	**तिथि**
विश्व ब्रेल दिवस	4 जनवरी
विश्व युद्ध अनाथ दिवस	6 जनवरी
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11- 17 जनवरी
लाल बहादुर शास्त्री पुण्य-तिथि	11 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
NDRF स्थापना दिवस	19 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
पराक्रम दिवस	23 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	24 जनवरी
राष्ट्रीय मतदाता दिवस	25 जनवरी
राष्ट्रीय पर्यटन दिवस	25 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय प्रलय स्मृति दिवस	27 जनवरी
लाला लाजपत राय जयंती	28 जनवरी
विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस	शहीद दिवस
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**तिथि**
भारतीय तटरक्षक दिवस	1 फरवरी
विश्व आद्रभूमि दिवस	1 फरवरी
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मानव भ्रातृत्व दिवस	4 फरवरी
International day of Zero tolerance for female genital mutilation	6 फरवरी
International Epilepsy Day	8 फरवरी
सुरक्षित इंटरनेट दिवस	9 फरवरी
विश्व दाल दिवस	10 फरवरी
राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस	10 फरवरी
विज्ञान में बालिकाओं तथा महिलाओं का दिवस	11 फरवरी
विश्व यूनानी दिवस	11 फरवरी
राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस	12 फरवरी
विश्व रेडियो दिवस	13 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय बचपन कैंसर दिवस	15 फरवरी
विश्व सामाजिक न्याय दिवस	20 फरवरी
विश्व पैंगोलिन दिवस	20 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	21 फरवरी
World thinking day	22 फरवरी
केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस	24 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
विश्व एनजीओ दिवस	27 फरवरी
राष्ट्रीय प्रोटीन दिवस	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
दुर्लभ रोग दिवस	28 फरवरी
मार्च	**तिथि**
विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस	1 मार्च
कर्मचारी प्रशंसा दिवस	2 मार्च
विश्व श्रवण दिवस	3 मार्च
विश्व वन्यजीव दिवस	3 मार्च
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
जनऔषधि दिवस	7 मार्च

तेजिंदर पाल सिंह	एथलेटिक्स
दीपा मलिक	पैरा-एथलीट
सुंदर सिंह गुर्जर	पैरा-एथलीट

मैग्नस कार्लसन	शतरंज
विश्वनाथ आनन्द	शतरंज
माइकल शूमाकर	कार रेसिंग

लुईस हेमिल्टन	कार रेसिंग (ब्रिटेन)

भारत के प्रमुख शहर एवं उपनाम	
शहर का नाम	**उपनाम**
नई दिल्ली	रैलियों का शहर
पटियाला (पंजाब)	शाही शहर
अमृतसर (पंजाब)	गोल्डन सिटी
कपूरथला	बगीचों का शहर
मुंडी (मध्य प्रदेश)	पावर हब सिटी
भोपाल (मध्य प्रदेश)	झीलों का शहर
इंदौर (मध्य प्रदेश)	मिनी मुंबई
मध्य प्रदेश	सोया प्रदेश
नैनीताल (उत्तराखंड)	झीलों का शहर
मसूरी (उत्तराखंड)	पर्वतों की रानी
उज्जैन (मध्य प्रदेश)	मंदिरों का शहर
त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम) केरल	मूर्तियों का शहर भारत का सदाबहार शहर
ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश)	उगते सूर्य की भूमि
भिलाई (छत्तीसगढ़)	स्टील सिटी ऑफ इंडिया
दिसपुर (असम)	मंदिरों का शहर
तूतीकोरिन	पर्ल सिटी, भारत का पर्ल हार्बर
अलाप्पुझा (केरल)	पूर्व का वेनिस
वायनाड (केरल)	भगवान का बगीचा
कोझिकोड (कालीकट, केरल)	मसालों का शहर
कोच्चि या कोचीन (केरल)	केरल का प्रवेश द्वार, अरब सागर की रानी, मसालों का शहर
विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश)	भाग्य का शहर
भीमावरम (आंध्र प्रदेश)	झीगें का शहर, भारत का दूसरा बारदोली
धर्मावरम (आंध्र प्रदेश)	आंध्र प्रदेश का सिल्क सिटी
पिडुगुराला (आंध्र प्रदेश)	लाइम सिटी
विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश)	विजय का स्थान
राजमुंदरी (आंध्र प्रदेश)	सांस्कृतिक शहर
तिरुपति (आंध्र प्रदेश)	भारत की आध्यात्मिक राजधानी
मदनापल्ली	आंध्र ऊटी
कोरबा (छत्तीसगढ़)	भारत का पावर हब
श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर)	झीलों का शहर
मुजफ्फरपुर (बिहार)	लीची शहर
नालंदा (बिहार)	ज्ञान की भूमि
बारदोली (गुजरात)	बटर सिटी
गांधीनगर (गुजरात)	ग्रीन सिटी
अहमदाबाद (गुजरात)	भारत का बोस्टन, भारत का मैनचेस्टर
गुरुग्राम (हरियाणा)	मिलेनियम सिटी
पानीपत	बुनकरों का शहर
भुवनेश्वर (ओडिशा)	टेम्पल सिटी ऑफ इंडिया
कटक (ओडिशा)	सिल्वर सिटी
हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना)	ट्विन सिटी
गुवाहाटी (असम)	गेटवे ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया
मुंबई	सूती वस्त्रों की राजधानी
कानपुर (उत्तर प्रदेश)	दुनिया का चमड़ा शहर, उत्तर भारत का मैनचेस्टर
आगरा (उत्तर प्रदेश)	ताज का शहर, पेठा नगरी
इलाहाबाद या प्रयागराज (उत्तरप्रदेश)	ईश्वर का वास, प्रधानमंत्रियों का शहर, संगम सिटी
वाराणसी	मंदिरों एवं घाटों का नगर
लखनऊ	नवाबों का शहर
पांडिचेरी (पुडुचेरी)	पूर्व का पेरिस
कूर्ग (कर्नाटक)	भारत का स्कॉटलैंड
धनबाद (झारखंड)	भारत की कोयला राजधानी

जमशेदपुर (झारखंड)	भारत का पिट्सबर्ग स्टोल सिटी ऑफ इंडिया
शिलांग (मेघालय)	पूर्व का स्कॉटलैंड
डिब्रूगढ़ (असम)	भारत का चाय शहर
भागलपुर (बिहार)	भारत का रेशम शहर
मालदा (पश्चिम बंगाल)	मैंगो सिटी।आमों का शहर
छत्तीसगढ़	धान की डलिया
मदुरै	त्योहारों का नगर
जमशेदपुर	इस्पात नगरी
कश्मीर (जम्मू-कश्मीर)	भारत का स्विट्जरलैंड
बैंगलोर (कर्नाटक)	स्पेस सिटी, भारत का गार्डन सिटी,भारत की सिलिकॉन वैली, साइंस सिटी
नागपुर (महाराष्ट्र)	ऑरेंज सिटी
मुंबई	सात टापुओं का नगर, भारत का हॉलीवुड
पुणे	दक्खन की रानी
बेंगलुरु	अंतरिक्ष का शहर
कोल्हापुर (महाराष्ट्र)	पहलवानों का शहर
दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)	पहाड़ियों की रानी
कोलकाता	महलों का शहर, डायमंड हर्बल
आसनसोल (पश्चिम बंगाल)	ब्लैक डायमंड की भूमि
जोधपुर (राजस्थान)	ब्लू सिटी, सन सिटी
जयपुर	भारत का पेरिस, गुलाबी शहर
जैसलमेर (राजस्थान)	भारत की स्वर्ण नगरी
कन्नौज	खुशबुओं का शहर
बरेली	सुरमा नगरी
अलीगढ़	ताला नगर
नोएडा	NCR-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
पीतमपुरा	भारत का डेट्राइट
मैसूर	कर्नाटक का रत्न

विश्व के प्रमुख देशों की मुद्राएं एवं राजधानी		
देश	राजधानी	मुद्रा
कनाडा	ओटावा	डॉलर
मैक्सिको	मैक्सिको सिटी	पीसो
संयुक्त राज्य अमेरिका	वाशिंगटन (डी.सी.)	डॉलर
एंटीगुआ व् बरबुड़ा	सेंट जॉन्स	कोलन
ब्राजील	ब्राजीलिया	रियाल
अर्जेंटीना	ब्यूनस आयर्स	अर्जेनटीनों
त्रिनिदाद व टोबैगो	पोर्ट ऑफ स्पेन	डॉलर
भारत	नई दिल्ली	रुपया
चीन	बीजिंग	युआन, रॅन्मिन्बी
पाकिस्तान	इस्लामाबाद	रुपया
नेपाल	काठमांडू	रुपया
श्रीलंका	जेवर्द्धनपुरा कोटे	रुपया
बांग्लादेश	ढाका	टका
भूटान	थिम्फू	न्गुलट्रम
म्यांमार	मपीड़ो, नेयपईताव	क्यात
न्यूजीलैंड्स	वेलिंग्टन	डॉलर
लीबिया	हून (त्रिपोली)	दिनार
मॉरिसश	पोर्ट लुईस	रुपया
मोरक्को	रबात	दिरहम
टोगो	लोमे	फ्रैंक
दक्षिण अफ्रीका	प्रिटोरिया	रैंड
मिस्त्र	काहिरा	पाउंड
सेशेल्स	विक्टोरिया	रुपया
जिम्बाब्वे	हरारे	डॉलर
इराक	बगदाद	दिनार
इंडोनेशिया	जकार्ता	रुपिया
इजराइल	जेरुसलम	न्यू शैकेल
मलेशिया	कुआलालंपुर	रिंग्गित
तुर्की	अंकारा	लीरा
मालदीव	माले	रुपिया
उत्तर कोरिया	प्योंगयांग	वॉन
दक्षिण कोरिया	सियोल	वॉन
वियतनाम	हनोई	डांग
थाईलैंड	बैंकॉक	बहत

राष्ट्रीय कांग्रेस के सम्मेलन में भारत की स्वतंत्रता का प्रस्ताव पेश करने वाला प्रथम व्यक्ति	हसरत मोहानी
नोबल पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय	रवीन्द्रनाथ ठाकुर
भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक	सी.वी. रमण (भौतिकी)
मैग्सेसे अवार्ड पाने वाला प्रथम भारतीय	आचार्य विनाबा भावे
स्टालिन पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय	सैफुद्दीन किचलू
ग्लोब अवार्ड जीतने वाले प्रथम भारतीय	ए.आर. रहमान
भारत रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
भारत रत्न से सम्मानित प्रथम विदेशी नागरिक	खान अब्दुल गफ्फार खान
ज्ञानपीठ सम्मानित प्रथम व्यक्ति	श्रीशंकर कुरुप
भारत का प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री	सरदार वल्लभ भाई पटेल
भारत का प्रथम शिक्षा मंत्री	अबुल कलाम आजाद
भारत के केंद्रीय मंत्रीमंडल से इस्तीफा देने वाला प्रथम मंत्री	श्यामा प्रसाद मुखर्जी (1950)
स्वतंत्र भारत का प्रथम कमांडर-इन-चीफ	जनरल करिअप्पा
प्रथम फील्ड मार्शल	जनरल मानिक शॉ
भारत का प्रथम वायु सेनाध्यक्ष	एयर मार्शल एस. मुखर्जी
प्रथम चीफ ऑफ एयर स्टॉफ	एयर मार्शल सर थॉमस एमहर्स्ट
प्रथम चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ	जनरल एम. राजेंद्र सिंह
भारत का प्रथम नौ सेनाध्यक्ष	वाइस एडमिरल आर.डी. कटारी
भारत का प्रथम मुख्य न्यायाधीश	हीरालाल जे. कानिया
लोकसभा का प्रथम अध्यक्ष	गणेश वासुदेव मावलंकर

भारत में सबसे बड़ा, लंबा एवं ऊंचा

भारत का सर्वोच्च शौर्य सम्मान	परमवीर चक्र (1954)
भारत का सर्वोच्च सम्मान	भारत रत्न (1954)
सबसे लंबा सड़क पुल	भूपेन हजारिका सेतु
सबसे बड़ा लीवर पुल	हावड़ा ब्रिज (कोलकाता)
सबसे लंबा बाँध (26 किमी)	हीराकुण्ड बाँध (ओडिशा)
सबसे ऊँचा बाँध	टेहरी बाँध (उत्तराखंड)
सबसे लंबी सड़क	ग्रैंड ट्रंक रोड
सबसे बड़ा रेगिस्तान	थार
सबसे ऊँची मूर्ति	स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (गुजरात)
सबसे लंबी नदी	गंगा नदी
सबसे लंबी नहर	इंदिरा गाँधी नहर (राजस्थान)
सर्वाधिक वर्षा का स्थान	मासिनराम (मेघालय)
सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित युद्ध स्थल	सियाचीन गलेशियर
सबसे लंबा रेलवे प्लेटफॉर्म	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) (1.3 किमी)
सबसे अधिक आबादी वाला शहर	मुंबई (महाराष्ट्र)
सर्वाधिक शहरी क्षेत्र वाला राज्य	महाराष्ट्र
सबसे लंबी तटरेखा वाला राज्य	गुजरात
मीठे पानी की सबसे बड़ी झील	वूलर झील (जम्मू-कश्मीर)
खारे पानी की सबसे बड़ी तटीय झील	चिल्का झील (ओडिशा)
सबसे बड़ी कृत्रिम झील	गोविन्द बल्लभ पंत सागर
भारत की सबसे लंबी सहायक नदी	यमुना नदी
दक्षिण भारत की सबसे लंबी नदी	गोदावरी
सबसे गहरी नदी घाटी	भागीरथी व अलकनंदा
सबसे लंबी तटरेखा वाला दक्षिण भारत का राज्य	आंध्र प्रदेश (1100 किमी)
सबसे लंबा समुद्र तट	मैरिना बीच (चेन्नई)
सबसे अधिक मार्ग बदलने वाली नदी	कोसी नदी

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=1253s

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6URO

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKj14nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gz2fJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp करें – https://wa.link/grn7vj

Online order करें – https://bit.ly/mp-police-constable

Call करें - 9887809083

FREE SAMPLE

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO